लघु उत्तरीय प्रश्न के उत्तर के साथ।

अति महत्वपूर्ण मॉडल सेट – 9

Q.1. स्फीतिक अन्तराल और अवस्फीतिक अन्तराल में क्या अंतर है ?

Ans. स्फीतिक अन्तराल तब उत्पन्न होता है जब पूर्ण रोजगार स्तर पर स्थिर कीमतों पर आंकी गई वस्तुओं की पूर्ति की तुलना में उनकी मांग अधिक होती है। इसके विपरीत अवस्फीतिक अंतराल तब उत्पन्न होता है जब समस्त मांग पूर्ण रोजगार स्तर पर समस्त पूर्ति से कम होती है।

Q.2. संतुलन कीमत तथा संतुलन मात्रा से क्या तात्पर्य है ?

Ans. संतुलन कीमत वह कीमत है जहाँ पूर्ति की मात्रा मांग की मात्रा के बराबर होती है। संतुलन मात्रा वह मात्रा है जिसे आर्थिक संतुलन के समय मांग की जाती है।

Q.3. पूर्ति वक्र क्या है? इसकी दाल कैसी होती है?

Ans. बाजार मूल्य मांग वक्र एवं पूर्ति वक्र के संतुलन बिन्दु पर निर्धारित होता है। इसस्थिति में किसी फर्म को न तो असामान्य लाभ प्राप्त होता है और न हानि उठानी पड़ती है। मांग तथा पूर्ति वक्र विपरीत दिशा में शिफ्ट होते हैं जब मांग वक्र का खिसकाव दाई ओर होता है तो पूर्ति वक्र का खिसकाव दाई अपेक्षाकृत कम होता है। कभी-कभी मांग वक्र और पूर्ति वक्र समान भी होते हैं।

Q.4. एक अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्र क्या हैं?

Ans. अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्र निम्नलिखित हैं

1. प्राथमिक क्षेत्र – प्राथमिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन एवं उत्पादन पशु एवं वनस्पति आदि आते हैं ?

2. द्वितीयक क्षेत्र – इसमें खनन का उपयोग आता है जैसे कच्चा लोहा से स्टील निर्माण

3. तृतीयक क्षेत्र – इसमें सेवा क्षेत्र आता है जैसे सरकारी, गैस-सरकारी संगठित एवंअसंगठित क्षेत्र में नौकरी करना।

Q.5. पूर्ण प्रतियोगिता में किसी फर्म के माँग वक्र की प्रकृति क्या होगी ?

Ans. पूर्ण प्रतियोगिता में मूल्य अधिक होने पर तथा पूर्ति कभी अधिक होने पर माँग वक्र की प्रकृति गिरती हुई होती है। इसके विपरीत पूर्ति अधिक एवं मूल्य कम होने पर माँग वक्र की प्रकृति उठती हुई होती है। साथ ही पूर्ति कम होने पर मांग अधिक होती है।

Q.6. व्यक्तिगत प्रयोग उत्पाद क्या है ?

Ans. जब ग्राहक किसी उत्पाद या सेवा को जरूरत होने पर प्रयोग करता है और उस उत्पाद के प्रयोग से ग्राहक को लाभ होता है तो उसे व्यक्तिगत प्रयोग उत्पाद कहते हैं, जैसे-दवा ।

Q.7 परिवर्तनशील लागत क्या है ?

Ans. परिवर्तनशील लागत इन्हें प्रमुख लागत भी कहते हैं। परिवर्तनशील लागत उन लागतों को कहते हैं जो पैदा की गई इकाइयों की संख्या के घटने-बढ़ने के साथ घटती-बढ़ती रहती है। प्रमुख लागत में कच्चे माल का मूल्य प्रत्यक्ष श्रम पर व्यय, उत्पादन कर, ईंधन आदि खर्च सम्मिलित हैं। ये खर्चे उसी समय किये जाते हैं जब उत्पादन का कार्य चलता रहता है। इनकी मात्रा का उत्पादन की मात्रा से प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। यदि किसी कारणवश कारखाना बन्द कर दिया जाय तो खर्च नहीं होते।